खंड 17 संख्या 1

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग 1—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

मंगलवार, तिथि 22 जून 1976

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय
बिहार, पटना द्वारा मुद्रित
1979

[मूल्य—37 पैसे]

अध्यक्ष—शांति, शांति, आप बैठ जायं। आज मैं इस प्रश्न को स्थगित रखता हूं, सरकार को अवसर दीजिए। इसके बाद जब जवाब इसका आयेगा, तो आप फिर कहेंगे।

श्री श्याम नारायण पाण्डे—अध्यक्ष महोदय, दो मिनट का समय मुझे दिया जाय। .....

अध्यक्ष—शांति, शांति, आप बैठ जाइये। आज मैंने इस प्रश्न को स्थगित कर दिया है।

तारांकित प्रश्न संख्या 10 के संबंध में।

श्री अवध बिहारी सिंह—मैं पूछता हूं।

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह—अध्यक्ष महोदय, इसके लिये समय चाहिए।

श्री हेमन्त कुमार झा—अध्यक्ष महोदय, प्रश्न संख्या 10 में सरकार समय मांग रही है। प्रश्न को जरा देखिए हुजूर, मेहरमा प्रखंड सूखाग्रस्त हर साल रहता है और वहां यह सरकार 10--20 साल से रिलीफ का काम कर रही है।

अध्यक्ष—आप सरकार में थे, इसके बावजूद भी?

श्री हेमन्त कुमार झा—जी हां, इसके बावजूद भी। यह मैं मानता हूं।

नहर निर्माण-कार्य की पूर्ति।

11. श्री अवध बिहारी सिंह—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि संथाल परगना जिलान्तर्गत सुन्दर बांध योजना है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त योजना में बांध का निर्माण, कार्य समाप्त हो गया है। अब सिर्फ नहर का कार्य पूरा करना है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतायेगी कि नहर का निर्माण-कार्य कबतक पूरा किया जायेगा?

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) उत्तर अंशतः स्वीकारात्मक है। बांध का निर्माण-कार्य अभी 14 प्रतिशत एवं नहर का कार्य लगभग 11 प्रतिशत बाकी है।

(3) नहर का निर्माण-कार्य जून, 1977 तक पूरा कर लेने का कार्यक्रम है।

लोहागढ़ सिंचाई की स्वीकृति।

12. श्री जय प्रकाश मिश्र—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिलान्तर्गत कटोरिया प्रखंड के लोहागढ़ सिंचाई योजना वर्षों से स्वीकृति के लिए सरकार के पास विचाराधीन है। यदि हां, तो इसकी प्राक्कलित राशि क्या है, कितनी जमीन की सिंचाई होगी तथा काम कब से प्रारम्भ किया जायगा?

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह—लोहागढ़ सिंचाई योजना की छान-बीन सिंचाई विभाग की अग्रिम योजना एवं अनुसंधान संगठन द्वारा की गयी है। इसकी प्राक्कलित राशि 61.34 लाख है तथा इससे 950 एकड़ खरीफ तथा 75 एकड़ रबी की सिंचाई का प्रस्ताव है। यह योजना भारत सरकार के केन्द्रीय जल एवं शक्ति आयोग को 1973 में ही जांच एवं उनकी सहमति हेतु भेजी गयी थी। आयोग की सहमति प्राप्त होने पर इसके कार्यान्वयन के संबंध में विचार किया जायगा।

श्री जय प्रकाश मिश्र—इसका अन्वेषण-कार्य कब प्रारम्भ किया गया था?

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह—1973 में यह भारत सरकार को भेजा गया है। बार-बार स्मार-पत्र देने के बावजूद वहां से इसकी स्वीकृति नहीं आ सकी है। अब हम विभाग को आदेश दे रहे हैं कि वे स्वयं जाकर देखें कि क्या स्थिति है, क्यों विलम्ब हो रहा है?

श्री जय प्रकाश मिश्र—अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न है कि इसका अन्वेषण कब आरम्भ किया गया था। तो सरकार कहती है कि 1973 में भारत सरकार को भेजा गया था।

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह—1973 में भेजा गया था लेकिन कब प्रारम्भ हुआ, इसकी सूचना अभी नहीं है।